

भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 5991
01.04.2026 को उत्तर देने के लिए

'इंस्पायर' योजना

†5991. श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालू:

श्री अनुराग शर्मा:

श्री बलभद्र माझी:

श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैया:

श्री अनूप संजय धोत्रे:

डॉ. भोला सिंह:

श्री कृष्ण प्रसाद टेन्नेटी:

श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान प्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान में नवाचार (इंस्पायर) योजना के विभिन्न घटकों के अंतर्गत राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार विशेषकर पलनाडु जिले सहित आंध्र प्रदेश, नबरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित ओडिशा और बुलंदशहर जिले तथा राजस्थान में कितने छात्रों को सहायता प्रदान की गई है;

(ख) क्या सरकार ने इंस्पायर-मानक जैसी पहलों के माध्यम से स्कूली छात्रों के बीच नवाचार और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम का विस्तार किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) आन्ध्र प्रदेश और पलनाडु जिले तथा नबरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में स्थित विद्यालयों सहित इस योजना के अंतर्गत अब तक कितने विद्यालयों और जिलों को शामिल किया गया है;

(घ) आन्ध्र प्रदेश से इंस्पायर-मानक के अंतर्गत जिला-वार कितने छात्रों का चयन किया गया अथवा लाभान्वित किया गया; और

(ङ) सरकार द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार कार्यक्रमों में ग्रामीण क्षेत्रों और कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों, विशेषकर आन्ध्र प्रदेश के पलनाडु जैसे जिलों और नबरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) अभिप्रेरित अनुसंधान हेतु विज्ञान खोज में नवोन्मेष (इंस्पायर) योजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार की एक राष्ट्रीय पहल है जिसका उद्देश्य प्रतिभाशाली युवाओं को मूलभूत और प्राकृतिक विज्ञानों का अध्ययन करने और अभियांत्रिकी, चिकित्सा, कृषि और पशु चिकित्सा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान करियर अपनाने के लिए आकर्षित करना है, जिससे देश के अनुसंधान एवं विकास आधार को मजबूती मिले। यह योजना विभिन्न शैक्षिक चरणों में कई घटकों के माध्यम से संचालित होती है। इंस्पायर-मानक (मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन एंड नॉलेज) योजना कक्षा VI-XII में पढ़ने वाले 10-17

वर्ष के विद्यार्थियों पर केंद्रित है, जिसमें नवाचारपूर्ण विचारों और वैज्ञानिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित किया जाता है, विद्यालय ई-एमआईएस पोर्टल के माध्यम से प्रतिवर्ष अधिकतम पांच विद्यार्थियों को नामांकित कर सकते हैं, और चयनित विद्यार्थियों को जिला, राज्य और राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में अपनी परियोजनाओं को विकसित करने और प्रस्तुत करने के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 10,000 रुपये प्राप्त होते हैं। उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति (एसएचई) 17-22 वर्ष की आयु के प्रतिभाशाली छात्रों को प्रतिवर्ष 80,000 रुपये की 12,000 छात्रवृत्तियां प्रदान करती है, ताकि वे मूलभूत और प्राकृतिक विज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त कर सकें, साथ ही उन्हें मार्गदर्शन के अवसर भी प्रदान करती है। अनुसंधान स्तर पर, इंस्पयर अध्येतावृत्ति पीएचडी कार्यक्रम में अध्ययनरत उत्कृष्ट छात्रों को पांच वर्षों तक सीएसआईआर-यूजीसी नेट के समकक्ष अध्येतावृत्ति (जेआरएफ के रूप में 37,000 रुपये और एसआरएफ के रूप में 42,000 रुपये प्रति माह के साथ-साथ एचआरए और 20,000 रुपये प्रति वर्ष का आकस्मिक अनुदान) प्रदान करके सहायता करती है। इसके अतिरिक्त, इंस्पयर संकाय अध्येतावृत्ति 27-32 वर्ष की आयु के प्रारंभिक करियर वाले पोस्ट-डॉक्टरल अनुसंधानकर्ताओं को मूलभूत और अनुप्रयुक्त विज्ञानों में स्वतंत्र अनुसंधान करियर बनाने के लिए 1,25,000 रुपये प्रति माह, वार्षिक वेतन वृद्धि और 35 लाख रुपये के अनुसंधान अनुदान के साथ पांच वर्ष की अध्येतावृत्ति प्रदान करती है। ये सभी घटक मिलकर एक सतत् श्रृंखला का निर्माण करते हैं जो स्कूल स्तर से लेकर उन्नत शोध तक वैज्ञानिक प्रतिभा को विकसित करती है। विगत तीन वर्षों के दौरान, अभिप्रेरित अनुसंधान हेतु विज्ञान खोज में नवोन्मेष (इंस्पयर) योजना के विभिन्न घटकों के अंतर्गत सहायता प्राप्त छात्रों की राज्यवार/संघ राज्य क्षेत्र-वार, संख्या विशेष रूप से आंध्र प्रदेश (जिसमें पलनाडु जिला शामिल हैं), ओडिशा (जिसमें नबरंगपुर लोकसभा क्षेत्र शामिल है), उत्तर प्रदेश (जिसमें बुलंदशहर जिला शामिल है) और राजस्थान के संबंध में नीचे दी गई है:

राज्य और संघ राज्य क्षेत्र	इंस्पयर-मानक			इंस्पयर -एसएचई (शी)			इंस्पयर - अध्येतावृत्ति			इंस्पयर -संकाय अध्येतावृत्ति		
	2023-24	2024-25	2025-26	2023-24	2024-25	2025-26	2023-24	2024-25	2025-26	2023-24	2024-25	2025-26
अंडमान और निकोबार	8	20	19	0	0	0	0	0	0	0	0	0
आंध्र प्रदेश	4530	3693	3424	0	2	0	35	7	22	1	0	6
अरुणाचल प्रदेश	5	16	5	0	0	0	1	2	1	0	0	0
असम	212	100	48	51	48	22	43	11	42	2	3	4
बिहार	2076	1988	2041	125	137	195	4	1	10	2	0	1
चंडीगढ़	163	69	61	5	1	1	15	4	12	0	0	0
छत्तीसगढ़	3157	2962	2165	271	365	256	10	7	11	2	0	1
दादरा नगर हवेली	24	20	26	0	0	1	0	0	0	0	0	0
दिल्ली	119	248	321	40	49	38	48	26	69	7	8	12
गोवा	63	56	53	1	3	1	14	4	16	3	0	1
गुजरात	1109	1282	1244	61	62	20	26	12	28	2	0	7
हरियाणा	716	814	1249	54	37	32	11	8	11	2	0	3
हिमाचल प्रदेश	437	498	513	115	105	77	10	8	12	1	1	0

राज्य और संघ राज्य क्षेत्र	इंस्पायर-मानक			इंस्पायर -एसएचई (शी)			इंस्पायर - अध्येतावृत्ति			इंस्पायर -संकाय अध्येतावृत्ति		
	2023- 24	2024- 25	2025- 26	2023- 24	2024- 25	2025- 26	2023- 24	2024- 25	2025- 26	2023- 24	2024- 25	2025- 26
जम्मू और कश्मीर	942	992	1033	28	2	1	25	6	33	2	2	6
झारखंड	1937	1817	1160	20	16	3	11	4	4	3	3	4
कर्नाटक	7493	6264	7758	23	16	7	46	26	79	14	11	30
केरल	479	315	339	294	299	130	45	17	48	4	2	3
लद्दाख	25	21	9	0	0	0	0	0	0	0	0	0
लक्षद्वीप	5	5	8	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मध्य प्रदेश	1506	2672	1421	400	464	596	30	10	48	3	2	3
महाराष्ट्र	2149	2581	2303	142	120	38	61	17	57	8	7	15
मणिपुर	3	8	5	70	83	56	2	2	0	0	1	0
मेघालय	8	21	11	26	33	12	2	1	4	0	0	1
मिजोरम	5	7	7	0	12	3	4	2	4	0	0	0
नागालैंड	3	5	2	7	6	6	1	1	0	0	0	0
ओडिशा	3823	3409	3755	57	46	46	28	6	34	3	2	2
पुदुचेरी	35	77	71	1	2	0	2	3	2	0	0	0
पंजाब	566	421	345	49	38	43	33	14	40	2	4	5
राजस्थान	6830	6599	5720	1992	2155	1541	14	1	25	4	0	4
सिक्किम	15	28	28	0	0	0	2	2	3	0	0	1
तमिलनाडु	991	1197	2336	16	9	7	63	39	65	5	5	9
तेलंगाना	3054	3311	2557	4	24	10	55	16	56	6	1	9
त्रिपुरा	23	66	97	0	1	0	3	0	6	0	0	0
उत्तर प्रदेश	1940	5834	7173	3297	4812	5474	56	18	64	11	2	15
उत्तराखंड	2140	1844	1386	290	331	248	20	10	30	3	0	1
पश्चिम बंगाल	27	18	31	537	216	182	76	20	87	10	4	28
केन्द्रीय विद्यालय संगठन	247	521	898	-	-	-	-	-	-	-	-	-
नवोदय विद्यालय समिति	61	210	183	-	-	-	-	-	-	-	-	-

आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले, ओडिशा के नबरंगपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र और उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले से इंस्पायर योजना के इंस्पायर-मानक और इंस्पायर-एसएचई घटकों के अंतर्गत सहायता प्राप्त छात्रों की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है:

राज्य और संघ राज्य क्षेत्र	इंस्पायर-मानक			इंस्पायर -एसएचई (शी)		
	2023-24	2024-25	2025-26	2023-24	2024-25	2025-26
पलनाडु जिला (आ.प्र.)	111	139	163	0	0	0
नबरंगपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, ओडिशा	149	116	72	0	0	0
बुलंदशहर जिला (उ.प्र.)	20	110	140	13	14	7

(ख) मंत्रालय ने इंस्पायर-मानक जैसी पहलों के माध्यम से स्कूली छात्रों के बीच नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों का विस्तार किया है। यह कार्यक्रम कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों पर केंद्रित है और उन्हें मौलिक और रचनात्मक विचार प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करता है। चयनित छात्रों को अपने विचारों के प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए 10,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। इस योजना का विस्तार देश भर के अधिक से अधिक विद्यालयों को शामिल करने के लिए किया गया है, जिसमें व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ग्रामीण और सरकारी संस्थानों पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह एक सुव्यवस्थित मंच प्रदान करता है जहाँ छात्र जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपने विचारों को प्रदर्शित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, छात्रों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमताओं को विकसित करने में सहायता के लिए पूरी प्रक्रिया के दौरान मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाता है।

(ग) से (घ): इंस्पायर-मानक योजना के अंतर्गत देश भर से शामिल छात्रों, विद्यालयों और जिलों की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है:

वित्तीय वर्ष	प्रतिभाग करने वाले छात्रों की संख्या	प्रतिभाग करने वाले विद्यालयों की संख्या	शामिल जिलों की संख्या
2023-24	854553	224283	719
2024-25	1013229	253459	723
2025-26	1147343	274528	729

आंध्र प्रदेश में इंस्पायर-मानक के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों और जिलों की संख्या, जिसमें पलनाडु जिला भी शामिल है, का विवरण नीचे दिया गया है:

वित्तीय वर्ष	प्रतिभाग करने वाले छात्रों की संख्या	प्रतिभाग करने वाले विद्यालयों की संख्या	शामिल जिलों की संख्या	पलनाडु जिले से प्रतिभाग करने वाले छात्रों की संख्या	पलनाडु जिले से प्रतिभाग करने वाले विद्यालयों की संख्या
2023-24	40365	9259	26	1224	266
2024-25	39444	9084	26	1357	303
2025-26	46285	10588	26	1821	417

आंध्र प्रदेश से इंस्पायर-मानक योजना के अंतर्गत चयनित या लाभान्वित छात्रों की संख्या का, पलनाडु जिले सहित, जिलेवार विवरण नीचे दिया गया है:

जिला	2023-24	2024-25	2025-26
अल्लूरी सीताराम राजू	27	23	14

जिला	2023-24	2024-25	2025-26
अनकापल्ली	126	135	125
अनंतपुरमु	141	114	131
अन्नमय्या	294	238	276
बापतला	81	90	76
चित्तूर	407	313	263
पूर्वी गोदावरी	137	108	81
एलुरु	111	144	101
गुंटूर	131	88	121
काकीनाडा	148	116	107
कोनासीमा	104	77	90
कृष्ण	178	144	115
कुरनूल	234	221	169
एन.टी.आर	171	184	163
नांदयाल	153	126	124
नेल्लोर	260	264	174
पलनाडु	111	139	163
पार्वतीपुरम मन्यम	61	65	89
प्रकाशम	141	130	123
श्रीकाकुलम	265	167	197
श्री सत्य साई	122	71	90
तिरुपति	304	214	200
विशाखापत्तनम	173	107	93
विजयनगरम	269	167	141
पश्चिम गोदावरी	126	83	71
वाईएसआर	255	165	127

ओडिशा के नबरंगपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से इंस्पायर-मानक के अंतर्गत शामिल किए गए विद्यालयों और जिलों की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है:

वित्तीय वर्ष	प्रतिभाग करने वाले छात्रों की संख्या	प्रतिभाग करने वाले विद्यालयों की संख्या
2023-24	2511	711
2024-25	2125	555
2025-26	1564	386

(ड) मंत्रालय ने इंस्पायर-मानक जैसे वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रमों में ग्रामीण क्षेत्रों और अल्प-प्रतिनिधित्व वाले समूहों के छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए कई लक्षित उपाय लागू किए हैं। जागरूकता बढ़ाने के लिए, राज्य और जिला नोडल अधिकारियों के साथ नियमित रूप से जागरूकता बैठकें आयोजित की जाती हैं, साथ ही विद्यालयों को जागरूक करने और उन्हें भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने हेतु शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाएं

भी आयोजित की जाती हैं। अधिक से अधिक लोगों, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंच के लिए वीडियो, पोस्टर, सोशल मीडिया और ईमेल संचार का उपयोग करते हुए व्यापक मल्टीमीडिया अभियान भी शुरू किया गया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप भागीदारी में लगातार वृद्धि हुई है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों से उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। जागरूकता के अलावा, मंत्रालय ने चयनित छात्रों के लिए सहायता तंत्र को मजबूत किया है। प्रत्येक चयनित छात्र को अपने विचार का प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए 10,000 रुपये प्राप्त होते हैं। उन्हें अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल) के माध्यम से मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता भी प्रदान की जाती है। छात्रों की प्रगति को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की संरचित प्रतियोगिताओं के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता है, जिससे उनकी निरंतर भागीदारी और अनुभव बना रहता है। इसके अतिरिक्त, उच्च स्तर पर चयनित छात्रों के लिए आईआईटी और एनआईटी जैसे प्रमुख संस्थानों के सहयोग से मार्गदर्शन कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। राज्य स्तरीय विजेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुति के लिए अपने प्रोटोटाइप को परिष्कृत करने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। राष्ट्रीय स्तर पर, छात्रों को पेटेंट दाखिल करने में सहायता और तकनीकी मार्गदर्शन सहित इनक्यूबेशन सुविधाओं के माध्यम से सहायता दी जाती है, जिससे वे अपने विचारों को बड़े पैमाने पर लागू करने योग्य और सामाजिक रूप से प्रासंगिक नवाचारों में परिवर्तित कर सकें।
